



(Dr. Jayaprakash Narayan)
23/4/86

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रांधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 141]

No. 141]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 21, 1986/फाल्गुन 30, 1907
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 21, 1986/PHALGUNA 30, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएँ

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1986

सं. 200/86-केन्द्रीय उत्पाद-शल्क

सा. का. नि. 517(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उद्धरणम् (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 185/86-केन्द्रीय उत्पाद-शल्क, तारीख 1 मार्च, 1986 को अधिकारी करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शल्क टॉरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अन्सूची के अंतर्गत अन्वाले माल को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1), जैसा कि वह केन्द्रीय उत्पाद-शल्क टॉरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के प्रारम्भ के ठीक पहले विद्यमान था, की पहली अन्सूची की मद सं. 68 के अंतर्गत आते थे, प्रथम वर्णित अन्सूची ८- विनिर्दिष्ट उन पर उद्घारणीय समस्त उत्पाद-शल्क से छूट देती है।

परन्तु यह तब जब कि—

- (1) ऐसे माल केन्द्रीय सरकार के कारबाहों द्वारा विनिर्मित किए जाते हैं और उक्त सरकार के विभागों द्वारा उपयोग के लिए आवश्यक हैं ; या
- (2) ऐसे माल किसी राज्य सरकार के किसी कारबाहों द्वारा उन प्रयोजनों के लिए विनिर्मित किए जाते हैं जो उस सरकार के सामान्य कृत्यों के आन्वयिक रूप में विधि अन्सार संसद द्वारा घोषित हैं ; या
- (3) ऐसे माल किसी ग्राम-द्वयोग के उत्पाद हैं और खादी और ग्रामोदयोग आयोग यह प्रमाणित करता है कि उक्त उत्पाद, खादी और ग्रामोदयोग आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 61) की अन्सूची में विनिर्दिष्ट, या विनिर्दिष्ट रूप में समझे गए, किसी ग्रामोदयोग के असली उत्पाद हैं और उन्हें उक्त अधिनियम के उपबंधों के अन्सार बाजार में लाया गया है , या

(4) एसे भाल का किसी कारगार में उत्पादन किया जाता है।

स्पष्टीकरण.—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “कारगार” दद स काइ एसा जल या स्थान अभिष्ठत है जिसका उपयोग ददियों के निरंथ के लिए किसी गज्ज सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन स्थायी रूप से या अस्थायी रूप से किया जाता है और इसके अंतर्गत निम्नलिखित भी हैं—

- (1) काइ एसा स्थान, जिसे राज्य सरकार इवार साधारण या विशेष आदेश द्वारा, उप-कारगार के रूप में घोषित किया गया है; और
- (2) काइ सुधारालय, बोर्स्टल संस्था या उसी प्रकार की अन्य संस्था।

2. यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी।

[फ. स. 355/7/85-टो. आर. यू (सी ई टी बी)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 21st March, 1986

No. 200/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 517(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 185/86-Central Excises, dated the 1st March, 1986, the Central Government hereby exempts goods falling under the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and which were falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) as it existed immediately before the commencement of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the first mentioned Schedule :

Provided that—

- (i) such goods are manufactured by the factories belonging to the Central Government and are intended for use by the Departments of the said Government; or
- (ii) such goods are manufactured by a factory belonging to any State Government for purposes declared by Parliament by law to be incident to the ordinary functions of that Government; or

- (iii) such goods are products of village industry and the Khadi and Village Industries Commission certifies that the said products are the genuine products of a village industry, specified, or deemed to be specified, in the Schedule to the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956) and are marketed in accordance with the provisions of the said Act; or
- (iv) such goods are manufactured in a prison.

Explanation.—For the purposes of this Notification, the expression ‘prison’ means any jail or place used permanently or temporarily under the general or special orders of a State Government for the detention of prisoners and includes—

- (i) any place which has been declared by the State Government by general or special order to be a subsidiary jail; and
- (ii) any reformatory, Borstal institution or other institution of a like nature.

2. This Notification shall remain in force upto and inclusive of the 31st day of August, 1986.

[F. No. 355/7/85-TRU(CETB)]

सं. 201/86-केन्द्रीय उत्पाद-शूल्क

सा. का. नि. 518(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शूल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के यथास्थिति (गज्ज और बीमा विभाग) या (राजस्व विभाग) को निर्मार्दावृत अधिसूचनाओं को विसंडित करती है, अर्थात् —

1. सं 56/75-केन्द्रीय उत्पाद-शूल्क, तारीख 1 मार्च, 1975।
2. सं. 57/75-केन्द्रीय उत्पाद शूल्क, तारीख 1 मार्च, 1975।
3. सं. 116/75-केन्द्रीय उत्पाद-शूल्क, तारीख 30 अप्रैल, 1975।
4. सं. 12/79-केन्द्रीय उत्पाद-शूल्क, तारीख 1 जनवरी, 1979।

[फ. सं. 355/7/85-टी. आर. यू (सी ई टी बी)]

के. एस. वेकटगिरी, अवर सचिव

No. 201/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 518(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the following Notifications of the Government

of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) or (Department of Revenue) as the case may be, namely :—

1. No. 56/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975.
2. No. 57/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975.

3. No. 116/75-Central Excises, dated the 30th April, 1975.

4. No. 12/79-Central Excises, dated the 6th January, 1979.

[F. No. 355/7/85-TRU(CETB)]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.